अवैध उत्खनन

पड़वार स्कूल का मामला, डीईओ के फैसले पर उठने लगे सवाल, बोर्ड परीक्षाएं सिर पर, विद्यार्थियों के भविष्य से किया जा रहा खिलवाड़

प्रभारी प्राचार्य सहित 4 अतिथि शिक्षक चढ़े हिटलरशाही की भेंट

चिल्हारी नवभारत 28 जनवरी। भदार और हल-फल नदी के संगम स्थल में ग्रामीणों और समाजसेवी रेत माफिया बाबा महाकाल मिनरल्स के अवैध उत्खनन को लेकर 23 जनवरी से सामूहिक धरने पर बैठे थे, जिसके समर्थन में जिले के कई जनप्रतिनिधियों ने भी अनशन स्थल पर पहुंचकर इस आंदोलन की आवाज को बुलंद किया था।

इसी कड़ी में धरने के दूसरे दिन यानी 24 जनवरी को शासकीय हाई स्कूल पड़वार के विद्यार्थी भी अपने शिक्षकों के साथ धरना स्थल पर स्कूल तक पहुंच मार्ग में नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर पहुंचे थे, जिनके द्वारा भी इस नदी बचाओ आंदोलन का समर्थन किया गया और अपने स्कूल तक अवागमन की सुविधा के लिए नदी पर पुल निर्माण किए जाने की मांग की।

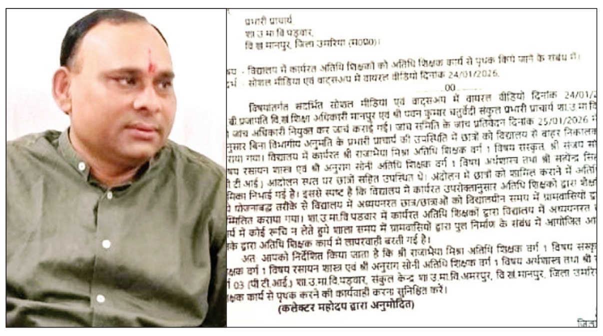

चार शिक्षकों पर की गई कार्यवाही

जिला शिक्षा अधिकारी उमरिया द्वारा हायर सेकेंडरी स्कूल पड़वार के प्रभारी प्राचार्य एवं कार्यरत 4 अतिथि शिक्षकों क्रमशः राजा मिश्रा अतिथि शिक्षक वर्ग एक विषय संस्कृत, संजय सोनी वर्ग एक रसायन शास्त्र, अनुराग सोनी वर्ग एक अर्थशास्त्र तथा सत्येंद्र सिंह अतिथि शिक्षक वर्ग 3 पीटीआई को पद से पृथक करने संबंधी आदेश जारी किए गए है, जो की पूर्ण रूप से एक पक्षीय कार्यवाही है।

धरना स्थल पर विद्यार्थी अपनी स्वेच्छा से गए थे

इस संबंध में पीड़ित अतिथि शिक्षकों ने बताया कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह में आयोजित कार्यक्रम की रिहर्सल हेतु 24 जनवरी को तैयारी और रिहर्सल के चलते निर्धारित समय से पूर्व 4 बजे विद्यालय की छुट्टी कर दी गई, जिसके बाद बच्चे अनशन स्थल पर पहुंचे थे और आवागमन मार्ग पर पुल निर्माण की अपनी बात रखी थी। जिन्हें किसी प्रकार का दबाव विद्यालय प्रबंधन द्वारा नहीं दिया गया न ही जबरदस्ती धरना स्थल पर ले जाया गया। वे वहां पर स्वेच्छा से गए थे और अपनी मांग रखी थी, जिसे बेवजह तूल देकर अतिथि शिक्षकों पर कार्यवाही की गई है जो कि सरासर अन्याय है। शिक्षकों ने कहा कि संविधान द्वारा हमें अपनी राय रखने, सवाल पूछने और अपने हक के लिए आवाज उठाने का अधिकार है। इस मामले में सबसे बड़ी बात तो यह है कि 10 फरवरी से हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी बोर्ड की परीक्षाएं संचालित होनी ह, जिसका टाइम टेबल भी आ चुका है और ऐसे में विद्यालय से एक साथ चार-चार शिक्षकों को हटाये जाने का तानाशाही फरमान अध्यनरत विद्यार्थियों के भविष्य के साथ एक खिलवाड़ सा नजर आता है।

कलेक्टर से दखल देने की मांग

इस मामले में जिले के वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री शारदा प्रसाद गौतम ने कलेक्टर से इस खबर के माध्यम से यह मांग की है कि आगामी 10 फरवरी से आयोजित हो रही बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत और विद्यार्थियों के भविष्य को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पडवार के प्रभारी प्राचार्य एवं चार अतिथि शिक्षकों को हटाने के जारी इस आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए ताकि विद्यालय के बच्चों के परीक्षा परिणामों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

स्वदेशी वस्तुओं का करें उपयोग : श्याम

मंडल मानिकपुर में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

शहपुरा नवभारत 28 जनवरी। शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम मानिकपुर में मंडल स्तर पर विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, मातृ शक्ति एवं हिंदू समाज के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्याम रहे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में श्याम गिरि महाराज मालपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मातृ शक्ति की सुदामा झारिया ने की।

सम्मेलन में द्रोणाचार्य, मंडल पालक नरेश, ग्राम मुकदम रामसरन बागवान, सेवानिवृत्त शिक्षक बद्री प्रसाद असाटी विशेष रूप से मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता ने अपने उद्बोधन में हिंदू समाज को एकजुट रहने का आह्वान किया तथा स्वदेशी वस्तुओं के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही राष्ट्र को मजबूत बना सकता है।

राष्ट्र व समाज के उत्थान का लिया संकल्प

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष हीरेंद्र सिंह मरावी, अर्जुन झारिया, तेजीलाल झारिया, कन्हैया बागवान, टोकेश्वर बागवान, नारायण काछी, राजेंद्र झारिया, नरेश झारिया, जगन सिंह, विश्वनाथ झारिया, ओमप्रकाश बागवान सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन में वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, संस्कृति संरक्षण एवं राष्ट्रहित पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र और समाज के उत्थान के संकल्प के साथ हुआ।

खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास पर मंथन

- जिला खनिज प्रतिष्ठान की कार्यपालिका समिति एवं न्यास मंडल की संयुक्त बैठक आयोजित

डिंडौरी,नवभारत 28 जनवरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) की कार्यपालिका समिति एवं न्यास मंडल की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पूर्व वित्तीय वर्षों में स्वीकृत कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि 31 मार्च 2025 की स्थिति में जिला खनिज प्रतिष्ठान मद में कुल 71 लाख 49 हजार 908 रुपये की राशि उपलब्ध है। नियमानुसार इस राशि का 60 प्रतिशत (42 लाख 89 हजार 945 रुपये) उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों—पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण तथा कौशल विकास—पर व्यय किया जाएगा। शेष 40 प्रतिशत राशि भौतिक अधोसंरचना, सिंचाई एवं ऊर्जा विकास जैसे अन्य प्राथमिक क्षेत्रों के लिए सुरक्षित रखी गई है।

नई कार्ययोजना पर की गई चर्चा

बैठक में 'डीएमएफ भाग-ख' के अंतर्गत जनजातीय ग्रामों में देवालयों के समीप जन-सुविधाओं के विकास हेतु 26 लाख रुपये के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। वहीं पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा विभागीय भवनों के निर्माण हेतु प्रस्तुत 420 लाख रुपये के बड़े प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया।कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने खनिज अधिकारी को निर्देश दिए कि भविष्य में बैठकों से पूर्व संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को पीपीटी एवं कार्य विवरण पूर्व में उपलब्ध कराया जाए, जिससे विभागीय प्रगति प्रभावी रूप से प्रस्तुत की जा सके।

महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सहमति

बैठक में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, डीएफओ अशोक सोनवानी, सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, डिप्टी कलेक्टर अक्षय डिगरसे एवं खनिज अधिकारी अशोक नागले की सर्वसम्मति से आगामी बजट में कई महत्वपूर्ण कार्यों को शामिल करने पर सहमति बनी।

नाली नहीं होने से सड़क पर बह रहा गंदा पानी

- गाड़ासरई के ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी। बजाग विकासखंड के ग्राम गाड़ासरई में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे नाली निर्माण नहीं होने से उत्पन्न गंभीर समस्या के निराकरण को लेकर ग्रामीणों और महिलाओं ने सोमवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि गाड़ासरई कस्बे में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे नाली का निर्माण नहीं किए जाने के कारण घरों एवं दुकानों का गंदा पानी सीधे मुख्य सड़क पर बह रहा है। इससे पूरे क्षेत्र में अत्यधिक गंदगी, दुर्गंध और फिसलन की स्थिति बनी हुई है। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों सहित नर्मदा परिक्रमा वासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने की घटनाएं बढ़ रही हैं, वहीं संक्रामक बीमारियों का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया है।

सड़क बना दी, लेकिन नाली बनाना भूल गए

ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सड़क निर्माण तो कराया गया, लेकिन नाली निर्माण की अनदेखी की गई। स्थानीय स्तर पर कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे क्षेत्र की महिलाओं में गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की कि गाड़ासरई क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर शीघ्र पक्की नाली का निर्माण कराया जाए, सड़क पर बह रहे गंदे पानी की तत्काल निकासी सुनिश्चित की जाए तथा एनएच अथॉरिटी की लापरवाही की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर संध्या साहू, रश्मि साहू, रागनी ठाकुर, संतोषी साहू, साधना साहू, सुलेखा साहू, सुनीता ठाकुर, पुष्पलता सोनी, रतना मरावी, रजना साहू, ज्योति साहू, तुलसीराम साहू, गरीबा साहू, वीरेंद्र साहू, अनिल साहू, संदीप साहू, राम साहू सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को दिया जैविक खेती का प्रशिक्षण

- गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती से भूमि, पर्यावरण व स्वास्थ्य में होगा सुधार

शहपुरा । शासकीय हाई स्कूल चंदवाही, विकासखंड शहपुरा में कैरियर काउंसलिंग के कार्यक्रम का आयोजित अंतर्गत अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को गौवंश आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक कृषि के साथ आधुनिक, टिकाऊ एवं पर्यावरण-सम्मत खेती पद्धतियों से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम में नर्मदांचल गौ सेवा समिति के अध्यक्ष एवं जैविक कृषि विशेषज्ञ बिहारी लाल साहू ने रासायनिक, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के बीच अंतर को सरल भाषा में समझाया।

बीजोपचार की वैज्ञानिक प्रक्रिया समझाई-प्रशिक्षण के दौरान केंचुआ खाद निर्माण, बीजोपचार की वैज्ञानिक प्रक्रिया, बीज को उक्ठा जैसे रोग से बचाने के उपाय, जीवामृत, अग्नि अस्त्र के माध्यम से कीट नियंत्रण तथा मृदा परीक्षण की विस्तृत जानकारी दी गई। साहू ने कहा कि गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती से मृदा की उर्वरता बढ़ती है, पर्यावरण संरक्षण होता है और मानव स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आदिवासी बहुल्य जिला जैसे क्षेत्रों में यह खेती स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन सकती है।

37 छात्र-छात्राएं रहे उपस्थित-इसी कार्यक्रम के तहत पीएचडी मुनीराम यादव ने भी अपना अनुभव विद्यार्थियों के बीच साझा किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य खेमलाल साहू, शिक्षक नंदलाल यादव, सुरेन्द्र साहू, महेन्द्र साहू, विनय साहू, पुष्पराज साहू तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैरियर काउंसलिंग के 37 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नारायणगंज कन्या विद्यालय में छात्राओं को सिखाए सुरक्षा के गुर

- जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं को दी कानूनी अधिकारों की जानकारी

नारायणगंज। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत एकीकृत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणगंज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस परियोजना स्तरीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना और समाज में महिलाओं के सम्मान व सुरक्षा को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा शाला की बालिकाओं को महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों को रोकने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। बालिकाओं को वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन नंबरों और सहायता तंत्र के बारे में बताया गया। इसके साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम पर चर्चा करते हुए बाल विवाह जैसी कुरीतियों को रोकने के लिए जागरूक किया गया।

छात्राओं ने व्यक्त किए विचार

जागरूकता सत्र के बाद बालिकाओं को अपने विचार व्यक्त करने के लिए मंच प्रदान किया गया। छात्राओं ने महिलाओं की सुरक्षा और समाज में उनकी स्थिति को लेकर निडरता से अपनी बात रखी। इस अवसर पर विद्यालय की बालिकाओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया।

छात्राएं हुईं पुरस्कृत

कार्यक्रम के अंत में उत्साहवर्धन के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा, अपने विचार व्यक्त करने वाली बालिकाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में विद्यालय का समस्त स्टाफ, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। इस पहल से छात्राओं में अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति एक नया आत्मविश्वास देखा गया।

बिछिया विचार मंच की कमान अब रागिनी परते के हाथ

- रागिनी बनीं बिछिया विचार मंच की अध्यक्ष, महिलाओं की भागीदारी पर रहेगा जोर

भुआबिछिया। क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों पर मुखर रहने वाले सामाजिक संगठन बिछिया विचार मंच के नेतृत्व में बड़ा बदलाव हुआ है। संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक में सभी नेताओं और सदस्यों की सर्वसम्मति से रागिनी परते को निर्विरोध नई अध्यक्ष चुना गया है।

बैठक के दौरान मंच के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय शोभाराम मर्सकोले को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सदस्यों ने उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। रागिनी परते का चयन स्वर्गीय मर्सकोले के निधन के बाद रिक्त हुए स्थान को भरने और संगठन को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से किया गया है।

छात्र जीवन से समाज सेवा में सक्रिय

बिछिया विचार मंच की नई अध्यक्ष रागिनी परते छात्र जीवन से ही सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रही हैं। उनकी सक्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनका नामांकन हाल ही में यूनाइटेड स्टेट के एक सर्वे में भी हुआ है, जो उनके सामाजिक कार्यों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाता है।

महिलाओं की भागीदारी पर रहेगा विशेष फोकस

पदभार ग्रहण करने के बाद अपने संबोधन में रागिनी परते ने कहा कि बिछिया विचार मंच हमेशा से पानी, बिजली, सड़क, जंगल बचाव नशा मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे बुनियादी मुद्दों पर काम करता रहा है। उन्होंने भविष्य की कार्ययोजना साझा करते हुए कहा कि वे संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष ध्यान देंगी और जमीनी संघर्षों में सभी साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेंगी। बताया गया कि बिछिया विचार मंच की स्थापना वर्ष 2015 में चार नदी घाटी फेडरेशन को मिलाकर की गई थी। स्थापना काल से ही यह संगठन लेंटाना उन्मूलन और क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान हेतु एक प्रभावी मंच साबित हुआ है। रागिनी परते की नियुक्ति पर संगठन के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में मंच और अधिक सशक्त होगा।

सवाई भट्ट के मधुर गीतों ने कर दिया मंत्रमुग्ध

मां नर्मदा जयंती पर निर्झरणी महोत्सव का किया गया आयोजन

डिंडौरी। प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन डिंडौरी के संयुक्त तत्वावधान में जीवनदायिनी मां नर्मदा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने हेतु मां नर्मदा जयंती के शुभ अवसर पर 'निर्झरणी महोत्सव' का भव्य आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में किया गया।

कार्यक्रम में विधायक डिंडौरी ओमकार सिंह मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह, वनमंडल अधिकारी अशोक कुमार सोलंकी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अनुविभागीय अधिकारी डिंडौरी भारती मेरावी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

क्षमा मालवीय ने साथियों के साथ नृत्य नाटिका प्रस्तुत की

महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में संस्कृति विभाग द्वारा आमंत्रित राजस्थान के इंडियन आइडल रनर-अप सवाई भट्ट ने अपने मधुर गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, भोपाल की क्षमा मालवीय एवं उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत 'श्रीनर्मदाकल्पवल्ली' नृत्य-नाटिका ने मां नर्मदा के जीवनदायिनी स्वरूप को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा।

औरिया में चौपाल लगाकर ग्रामीणों को सिखाए सड़क सुरक्षा के नियम

- नशे के खिलाफ बीजाडांडी पुलिस का अभियान

बीजाडांडी। क्षेत्र में बढ़ते सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और युवाओं को नशे की लत से बचाने के उद्देश्य से थाना बीजाडांडी पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस टीम ने ग्राम पंचायत समनापुर के पोषक ग्राम ओरिया में एक विशेष जन-जागरूकता सभा का आयोजन किया।

सभा के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और युवाओं को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस ने जोर देते हुए कहा कि दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट जरूर लगाएं। साथ ही नाबालिगों को वाहन न देने और तेज रफ्तार से वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस ने बताया कि यातायात नियमों का पालन न केवल कानूनी रूप से जरूरी है, बल्कि यह अनमोल जीवन को बचाने के लिए भी अनिवार्य है।

नशा मुक्ति पर दिया विशेष जोर

नशे से होने वाले सामाजिक और शारीरिक नुकसान के बारे में समझाते हुए पुलिस टीम ने ग्रामीणों को आगाह किया। उन्होंने बताया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को खराब करता है, बल्कि यह अपराधों की मुख्य जड़ भी है। पुलिस ने युवाओं से अपील की कि वे नशे जैसी बुराई को त्यागकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ें और अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण करें।

ग्रामीणों ने लिया संकल्प

इस जागरूकता सभा में ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। पुलिस की इस पहल की ग्रामीणों ने सराहना की और सार्वजनिक रूप से यातायात नियमों का पालन करने तथा गांव को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने का संकल्प लिया।